

खपुआ वि. (देश.) 1. डरपोक, कायर 2. भगोड़ा पुं. (देश.) दरवाजे के नीचे चूल को छेद में ठीक तरह से बैठाने के लिए लगाई जाने वाली लकड़ी।

खपुर पुं. (तत्.) 1. गंधर्व मंडल, जो कभी-कभी आकाश में उदित होता है और जिसके आने के शुभ फल माने जाते हैं 2. पुराणानुसार एक नगर जो आकाश में है, जिसके प्रलोक और काल का नाम भी दैत्य कन्याओं की प्रार्थना पर ब्रह्मा ने दिया था 3. राजा हरिश्चन्द्र की पुरी जो आकाश में मानी जाती है 4. सुपारी का पेड़, भद्रमोथा।

खपुष्प पुं. (तत्.) 1. आकाश कुसुम 2. असंभव बात 3. अनहोनी घटना।

खप्पर पुं. (तद्.) 1. तसले के आकार का मिट्टी का पात्र 2. काली देवी के हाथ में रहने वाला रुधिर पात्र, कपाल 3. भिक्षा पात्र मुहा. खप्पर भरना- खप्पर में मदिरा आदि भर कर देवी पर चढ़ाना।

खफकान पुं. (अर.) 1. हृदय की धड़कन का रोग, धड़का 2. बहशत, पागलपन।

खफकानी वि. (अर.) 1. हृदय रोगी 2. घबड़ाने वाला 3. बहशी।

खफगी स्त्री. (फा.) अप्रसन्नता, नाराजगी, क्रोध, कोप, रोष।

खफ़ा वि. (फा.) अप्रसन्न, नाराज, कुपित, रुष्ट जैसे- इस छोटी सी बात पर वे मुझसे खफ़ा हो गए।

खफीफ़ वि. (अर.) 1. अल्प, थोड़ा, तुच्छ, हल्का 2. लज्जित मुहा. खफीफ़ होना- लज्जित होना।

खफीफ़ा स्त्री. (अर.) 1. छोटी रकमों के दावे सुनने वाली अदालत जिसकी अपील नहीं होती 2. बदचलन (औरत)।

खबत पुं. (अर.) पागलपन, सनक, झक, धुन।

खबर स्त्री. (अर.) 1. सूचना, समाचार, वृत्तांत, हाल, संदेश मुहा. खबर उड़ना- चर्चा फैलना/ अफवाह होना; खबर लेना- समाचार जानना/ वृत्तांत समझना/सहायता करना जैसे- आप तो कभी हमारी खबर नहीं लेते 2. दंडित करना,

सजा देना जैसे- आज उनकी खूब खबर ली गई 3. सूचना, ज्ञान, जानकारी जैसे- हमें क्या खबर कि आप आए हुए हैं, उन्हें इन बातों की क्या खबर है 4. भेजा हुआ समाचार, संदेश 5. चेत, सुधि, संज्ञा जैसे- उन्हें अपने तन की भी खबर नहीं रहती।

खबरगीर वि. (फा.) 1. खोज खबर लेने वाला 2. देखरेख करने वाला रक्षक, पालक सहायक 3. गुप्तचर पु. (फा.) गुप्तचर, जानकारी प्राप्त करने वाला व्यक्ति

खबरगीरी स्त्री. (फा.) 1. देखरेख, देखभाल, चौकसी 2. सहानुभूति और सहायता 3. पालन पोषण।

खबरदार वि. (फा.) 1. सावधान, होशियार, सजग 2. चैतन्य, मुक्त।

खबरदारी स्त्री. (फा.) सावधानी, होशियारी, सतर्कता।

खबरनवीस वि. (फा.) समाचार लिखने वाला कर्मचारी, सूचना या समाचार ले जाने वाला।

खबरी पुं. (फा.) 1. दूत, संदेशवाहक 2. गुप्त संदेश देनेवाला, मुखबिर।

खबीस पुं. (अर.) 1. दुष्ट, क्रूर, नापाक 2. भूत प्रेत आदि।

खबीसी स्त्री. (अर.) 1. दुष्टता, बदमाशी, फरेब, नापाकी 2. खबीस स्त्री।

खब्ती वि. (अर.) जिसकी विकृत बुद्धि हो, सनकी पागल।

खब्बा वि. (देश.) 1. बायाँ, दाहिने का उल्टा 2. बाएँ हाथ से काम करने वाला।

खभरना स.क्रि. (देश.) मिश्रित करना, मिलाना, हलचल, खलबली मचाना।

खभरुआ वि. (देश.) पुंश्चली से उत्पन्न (बालक), छिनाल अथवा कुलटा स्त्री का (लडका)।

खम पुं. (फा.) झुकाव, टेढ़ापन, वक्र मुहा. खम खाना- मुड़ना, झुकना, दबना, हारना, पराजित; खम ठोकना- लड़ने के लिए ताल ठोकना, ललकारना; खम ठोंककर- ताल ठोंककर,